

गढ़ा फाटक की महाकाली

नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति मुलिया बाई की धर्मशाला शीतला माई।



श्री सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति तुलसी मोहल्ला बाई का बगीचा।



श्री सर्व बंधु दुर्गा उत्सव समिति देशबंधु कांप्लेक्स के पास।



पंडा की मढ़िया में विराजी भारत माता के स्वरूप में मां दुर्गा।



धर्म दुर्गा उत्सव समिति कठौंदा प्रभात नगर।

अष्टमी पर अठवाई का भोग लगाकर की प्रार्थना

दुर्गा पंडालों में उमड़ा आस्था व श्रद्धा का सैलाब

जबलपुर। शारदेय नवरात्र पर्व की धूमधाम चरमोत्कर्ष पर पहुंच गई है। नवरात्रि के आज अंतिम दिन दुर्गानवमीं पर आदि शक्ति स्वरूपा के नवमें रूप सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना की जायेगी। आज हवन पूजन एवं कन्या भोज के आयोजनों के बाद देवी दिवालों में स्थापित किये गये जवारों का विसर्जन कर दिया जायेगा। वहीं कल विजयादशमी पर प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ दुर्गोत्सव का भी समापन हो जायेगा। शहर के मुख्य चल समारोह के अलावा उपनगरीय क्षेत्र के चल समारोह निकालें जायेंगे। अष्टमी के दिन माता रानी को अठवाई का भोग लगाकर माता से सुख समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की गई और देर रात तक सड़कों पर चहल-पहल बनी रही। आज पर्व समापन की पूर्व संध्या से ही धार्मिक अनुष्ठानों की धूम के बीच देवी दर्शनों के लिए सड़कों पर अपार जनसैलाब निकल पड़ेगा जो पिछले एक दो दिनों में किन्ही कारणोवश घरों से नहीं निकल पाये वे भी आज अंतिम मौके पर घरों से निकल पड़ेगे। इसके पूर्व कल अष्टमी को शहर में भारी चहल पहल रही कई स्थानों पर तो भीड़ का आलम यह था कि पैर रखने जगह नहीं थी। शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक भीड़ ही भीड़ नजर आ रही थी। वाहनों की रैलम पैल रोकने के लिए जो व्यवस्थायें निर्धारित की गई थी उनका पूर्णतः पालन नहीं हो सका परिणाम स्वरूप कहीं-कहीं आवागमन में भारी अव्यवस्थायें हुई। मोटर साईकिलों में सवार युवकों ने संस्कृति व सभ्यता पर भी प्रश्न चिन्ह लगाये। बावजूद इसके शहर में सर्वत्र शांतिपूर्ण व्यवस्था बनी रही। बहरहाल कल शहर में भारी भीड़भाड का माहौल रहा।

उपनगरीय क्षेत्रों में सर्वाधिक भीड़ सदर, गढ़ा, गोरखपुर, घमापुर में रही यहां सदर मुख्य मार्ग के दोनों और का मार्ग बंद कर दिये जाने से दुपहिया वाहन चालकों को न केवल परेशानी का सामना करना पड़ा वरन उन्हें अपना मन मसोसकर भी लौटना पड़ा। यहां चारो तल अवैध सायकल वाहन स्टैण्ड लगाये गये थे जिनके संचालकों ने जमकर अभद्रता की। सदर काली मंदिर की और जाने वाली गलिया भी बंद रही। बहरहाल कल श्रद्धालुओं ने रतजगा किया। एक छोर से दूसरे छोर तक देवी दर्शनों के लिए जनसमूह विचारण करता रहा। पारिजात बिल्डिंग के समीप विराजी माता रानी की झांकी देखने के लिए लंबी लंबी कतारे लगी रही। गोराबाजार में झांकियां देखने भी लोग कतारों में खड़े रहे। बंगाली क्लब गुलौआ चौक, गोरखपुर आमनपुर, घमापुर बाई का बगीचा, गढ़ाफाटक, संजीवनी नगर, आमनपुर, इधर रांझी के जीसीएफ इस्टेट, गोकलपुर, सिविल लाईन आदि क्षेत्रों में भारी भीड़ भाड़ रही।



सर्वजातीय दुर्गोत्सव समिति माचा तेल मिल के पास कांच घर।

परम्परागत प्रतिमाएं भी कम नहीं

आधुनिकता और हर साल नये नये प्रयोग कर झांकियों को तैयार करने वाली समितियां ही अकेली चर्चित नहीं है। परंपरागत तरीके से हर साल एक सा प्रदर्शन करने वाली समितियों की पहचान भी खासी हैं। इसी तरह गढ़ाफाटक की वृहद महाकाली और छोटी महाकाली का भी अपना एक विशेष महत्व हैं। यहां दर्शन किये बगैर लोग नहीं रहते। इन स्थानों के प्रति लोगों में वो आस्था है कि 12 महीनें श्रद्धालु माँ के बैठने के स्थल को नमन करने नियम से जाते हैं। घमापुर बाई का बगीचा, न्यू बस स्टेण्ड, सिटी बंगाली क्लब, गोपाल बाग दरहाई कोतवाली बड़ा मैदान कमानिया और भूमि की तलैया व खटीक मोहल्ला सराफा में भी परम्परागत तरीके से स्थापित की जाने वाली प्रतिमाओं के दर्शनार्थ भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

उपनगरीय क्षेत्र भी पीछे नहीं

उपनगरीय क्षेत्रों में दुर्गोत्सव पर सदर का अपना एक अलग जलवा रहता हैं। हर साल कुछ नयापन लाना यहां की विशेषता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ हैं। नई-नई झांकिया सदर मेन रोड़ के साथ ही सदर गलियों में प्रस्तुत की गई हैं। जिन्हें देखने दूर दूर से लोग आते है और रात में दिन जैसा नजारा यहां दिखाई पड़ता हैं।

गढ़ा में धूमधाम

उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा में भी दुर्गोत्सव की धूमधाम शहर से कम नहीं रहती हैं। गुलौआ चौक, संजीवनी नगर, गढ़ा बजरिया त्रिपुरी चौक और वहां से लौटने पर देवताल महानद्दा गोरखपुर होते हुए लोग सदर पहुंच जाते हैं। गढ़ा से सदर और सदर से गढ़ा की दूरी चलते चलते लोगों को समझ नहीं आती हैं। हर चार कदम में गूंजते देवी गीत रोशनी से नहाई सड़के लोगों को रात गहराते का अहसास नहीं होने देती।

बैठकों तक सीमित रह गए तमाम दिशा निर्देश

त्योहार में सरदर्द बनी ट्रैफिक विभाग की नाकामी

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर में हर साल दुर्गोत्सव और दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। यह न सिर्फ शहर, बल्कि पूरे प्रदेश में एक खास स्थान रखता है। हर गली, हर मोहल्ले में उमंग, खुशी और धार्मिक आस्था का मिश्रण देखने को मिलता है। परंतु इस बार जबलपुर के उत्सवों के उत्साह में एक बड़ा संकट आ खड़ा हुआ है, और वह संकट है ट्रैफिक विभाग की लापरवाही। शहर के सबसे बड़े पर्व दुर्गोत्सव और दशहरा के आयोजन के मद्देनजर ट्रैफिक विभाग की बदइंतिजामी ने लोगों के सामने कई तरह की समस्याएं खड़ी कर दी हैं। विशेष रूप से मिलौनी गंज से लेकर मालवीय चौक तक के मुख्य मार्ग और सहायक मार्गों पर ट्रैफिक की अराजकता ने सभी की चिंता बढ़ा दी है।

शहर के ट्रैफिक को संभालने और व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी ट्रैफिक विभाग की है, लेकिन बदहाल ट्रैफिक, अराजक ट्रैफिक में बदल गया. अब जब शहर का महापर्व दुर्गोत्सव दशहरा चल रहा है, तब उनकी एसी कमरे में बैठकर, बैठक की औपचारिकता और निर्देशों तक ही सीमित रह गई है टैफिक व्यवस्था। दुर्गोत्सव के सात दिन बीत गए है, तीनों दिन शहर जाम में फंसा है

ऐसा नहीं की समस्या हल नहीं हो सकती, यदि सिर्फ आटो और ई रिक्शा का मार्ग कुछ दिन के लिये व्यवस्थित और परिवर्तित कर दिया जाए. मिलौनीगंज, करमचंद चौक, मालवीय चौक सहित महज 7-8 चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस के जवान सुबह 10 बजे से तैनात कर दिये जाएं और नो एंट्री व्यवस्था का पालन हो. इसके आलावा अवैध पार्किंग और सड़क घेरने वाली दुकानों को दशहरे के दिन तक कंट्रोल कर दिया जाए. तो ट्रैफिक से जुड़ी 85 प्रतिशत समस्याएं तत्काल हल हो जाएंगी. लेकिन जो सामान्य हल आम शहरवासी को दिख रहा है, वो हाईली क्वालिफाइड अधिकारी को नहीं दिख रहा है. आमजन का कहना है यह परिस्थिति दक्षता पर नहीं, नियत पर सवाल खड़ा कर रही है।

अब कलेक्टर, एसपी से ही उम्मीदें

जबलपुर के नागरिक अब सवाल उठा रहे हैं कि इस प्रकार की स्थिति में त्योहारों के दौरान क्या होगा? मिलौनी गंज, मालवीय चौक, एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते ट्रैफिक जाम से शहरवासियों का कामकाजी जीवन प्रभावित हो रहा है। अब, जबलपुर के नागरिकों की अंतिम उम्मीद जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से यह उम्मीद लगाए बैठे हैं कि वे तत्काल इस दिशा में ठोस कदम उठाएंगे. शहरवासियों का मानना है कि अगर प्रशासन ने सही समय पर कदम नहीं उठाए, तो यह बेबसी और आलस्य केवल ट्रैफिक विभाग की लापरवाही सबसे बड़े त्यौहार में सबसे बड़ी समस्या बनकर उभरेगी, जिससे खासकर विपक्षी राजनैतिक दल को हमलावर होने का मौका देगी।

आज मनाया जाएगा पंजाबी दशहरा

जबलपुर। पंजाबी हिंदू एसोसिएशन के तत्वावधान में संस्कारधानी का ऐतिहासिक 74वां पंजाबी दशहरा महोत्सव सोमवार, 19 अक्टूबर को गौरीघाट स्थित शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय परिसर में मनाया जाएगा। एसोसिएशन के जनसंपर्क अधिकारी उमेश शर्मा ने बताया कि गौरवशाली परंपरा के अनुरूप इस वर्ष 75 फुट ऊंचे रावण एवं कुंभकर्ण के पुतलों का दहन किया जाएगा। महोत्सव में आकर्षक आतिशबाजी भी प्रमुख आकर्षण रहेगी। आयोजन की तैयारियों को लेकर अध्यक्ष नरेंद्र पाल मलिक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें नरेश ग्रोवर, इंदर विरमानी, राजीव ओबेरॉय, उमेश शर्मा, अंशुल मलिक, डॉ. सुनील बहल, संजय अरोरा, पंकज सेठी, प्रमोद मरवाह, भारत कपूर, दीपक वर्मा, सुधीर मेहता एवं सुशील आनंद सहित महिला समिति और यूथ क्लब के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।


जागरूक समिति मोहसाम


अंकुर समिति झंडा बाजार


अखण्ड ज्योति कटरा मोहल्ला


तरूण दुर्गोत्सव खितौला


युवा शक्ति पालीवाल कॉलौनी


जय ज्योति आजाद चौक


बस स्टेंड समिति खितौला


ग्राम घुटना में विराजी मॉ दुर्गा

पहली प्रतिमा 1920 में झंडा बाजार में स्थापित की गई

सिहोरा खितौला में एक सैकड़ा से अधिक दुर्गा प्रतिमा स्थापित

सिहोरा। सिहोरा में दुर्गा उत्सव मनाने का इतिहास भी करीब 106 शाल पुराना है। झंडा बाजार में नारायण खरया के परिवार ने सबसे पहले 1920 में दुर्गा प्रतिमा रखने की शुरुआत की थी जो आज भी जारी है।अष्टमी को जहां भक्तों ने देवी मठों, मंदिरों घरों में माता का पूजन कर अठमाईं अर्पित की वहीं जगह जगह समितियों में कन्या भोजन के भी आयोजन किए गये।

भक्तों के लिए रोज चल रहे भंडारे

नगर उपनगर में सभी दुर्गा समितियों में माताराणी के दर्शन करने आने वाले शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र के भक्तों के लिए सप्तमी से प्रतिदिन शाम सात बजे से विभिन्न पकवान एंव व्यंजनों के स्टाल लगाकर विशाल भंडारे के साथ पानी चाय, पुड़ी सब्जी,हलूवा,चना,पोहा,कढ़ी चावल,फुलकी का वितरण किया जा रहा है। जो आज भी देर रात तक जारी रहेगा। हर कोई इस तरह से नवरात्र पर्व में बह रही भक्ति की गंगा में गोते लगाकर पुण्य लाभ अर्जित करने आतुर नजर आ रहा है।जागरुक समिति मोहसाम,अंकुर समिति झंड़ा बाजार,अखंड ज्योति कटरा मोहल्ला,तरुण दुर्गोत्सव कटरा मोहल्ला, युवा शक्ति समिति पालीवाल कालोनी,जय ज्योति आजाद चौक,रामजानकी मंदिर समिति सरावगी मोहल्ला,बस स्टेंड खितौला दुर्गोत्सव समिति सहित ग्राम घुटना में स्थापित प्रतिमा।

आज सड़कों पर होगा भक्तों का रतजगा

नयनाभिराम झांकियों के बीच विराजी जगत जननी मां जगदम्बा की प्रतिमाओं के दर्शन हेतु कल अष्टमी की अपेक्षा आज रात नवमी को भक्तों की भीड ज्यादा उमडेगी।सिहोरा में मनसकरा तथा पहरेवा नाका खितौला सहित लगभग 12 से अधिक महाकाली सहित 80 से अधिक दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई है।जगह जगह मां दुर्गा की मनमोहन प्रतिमाओं के साथ बेहतरीन सजावट का अदभूत सौदर्य दिखाई पड रहा है सिहोरा में रंगीन बंदरवारी से नगर की गलियां रौनक से भर गई है। एक से बढकर एक झाकियां इस शाल आयोजकों ने तैयार की है। आज रात भर भक्तों की भीड़ सड़कों पर रतजगा करेगी। देवी मंदिरों में भी देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहता है

पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था

सिहोरा पुलिस द्वारा आज माता के दर्शन करने आने वाले भक्तों को कोई परेशानी न हो इसके लिए चाक चौबंद व्यवस्था की है । यातायात नियंत्रित रखने प्रमुख चौराहों में पुलिस बल तैनात किया है। नगर के प्रवेश स्थल नया बस स्टेंड,खितौला तिराहा,मझौली बायपास तिराहा आदि में बडे.वाहनों का प्रवेश टोटल प्रतिबंधित किया गया है। इसी तरह अति संवेदनशील आजाद चौक में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चुकी पिछले साल गौरी तिराहा में बेकाबू बस के भक्तों पर चढ़ जाने की घटना से कुछ लोगों की मौत हो गई थी। इसलिए इस बार वहां पुलिस सजग है। थाना प्रभारी प्रतिक्षा मार्को स्वयं देर रात तक रांउड पर रहकर स्टाफ को निर्देशित करती रहतीं है।

खड़रा शारदा मंदिर मे समाये है कई अनूठे रहस्य

सिहोरा में 106 वर्ष से मनाया जा रहा दुर्गा उत्सव

सिहोरा। आदिशक्ति जगत जननी की आराधना का पावन पर्व शारदेय नवरात्र के चलते चहुंओर माताराणी की जय जयकार हो रही है पंडालो मैं दुर्गा प्रतिमा विराजित है विद्युत की रोशनी से पंडाल आकर्षण का केंद्र बने हुए है तथा देवी दर्शन के लिए श्रद्धालु उमड़ रहे है।



350 साल पुराना शारदा माता मंदिर

सिहोरा के समीप स्तिथ ग्राम खड़रा मैं शारदा मंदिर स्थापित है जो अपने आप में अनेक अनूठे रहस्यो को संजोय हुए है। मंदिर के पुजारी भजनलाल पंडा ने बताया कि यह स्थल 350 वर्षो से अधिक पुराना है चार पीढ़ी से हमारे वंशज ही माताराणी की पूजा करते चले आ रहे है।इस मंदिर को लेकर एक किवंदती प्रचलित है जिसमें कहा जाता है कि जंगल मैं गाय ओर भेड़ बकरी चराने गए बालको ने खेल खेल मैं एक बालक को बकरा बनाते हुए पशु पक्षियो के पंखा ओर हड्डियों की तलवार बनाकर उसकी गर्दन मैं रख दिया।हड्डियों से बनी तलवार से ही उस बालक की गर्दन कटकर अलग हो गई । यह देखकर बच्चें घबरा कर घर भाग गए ओर अपने माता पिता को यह बात बताई

परिवार व ग्रामीण जन मंदिर के पंडा के पास पहुंचें

पंडा ग्रामीणों के साथ उस जगह पहुंचें जहाँ बालक मृत पड़ा हुआ था पंडा ने बालक के सिर को धड़ के पास लगाकर कपड़े से ढक दिया ओर माताराणी की साधना शक्ति मैं लोग जुट गए माताराणी की ऐसी कृपा होई कि कुछ देर बाद मृत बालक जिन्दा हो उठा तभी से यह मंदिर प्रसिद्ध हो गया बड़े -बड़े दान दाताओ के द्वारा मंदिर का सर्वांगींण विकास किया गया साथ ही मंदिर मैं स्थापित पत्थर भी अपने आप बड़े आकार मैं परिवर्तित हो रहे जो अनोखा रहस्य है।आखिर पत्थर कैसे अपने आप बड़े आकार मैं परिवर्तित हो जाते है यह भी एक रहस्य इस मंदिर से जुडा है इसके साथ अन्य मान्यताये भी है मंदिर मैं आस्था के साथ जो भक्त अपनी मनोकामना करते है वो पूर्ण होती है।नवरात्र के चलते लोगों ने अपनी मन्नत के अनुरूप जवारे खप्पर स्थापित किये है जिनकी मन्नते पूर्ण हुई है उनके सहित अन्य लोग दोनों पहर माता के दर्शन को आते है। दोनों नवरात्रि में यहां भक्तों का तांता लगा रहता है।

बरेला में सजीव चैतन्य देवियों की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र



बरेला। ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र, बरेला द्वारा मेला ग्राउंड में महाषष्ठी से महानवमी तक सजीव चेतन्य देवियों की दिव्य झांकी प्रस्तुत की जा रही है। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा प्रस्तुत इस झांकी में मां आदिशक्ति के विभिन्न स्वरूपों के माध्यम से प्रेम, शांति, शक्ति और आनंद जैसे दैवीय गुणों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया जा रहा है। ईश्वरीय ज्ञान, योग और पवित्रता पर आधारित यह आयोजन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। झांकी के माध्यम से लोगों को राजयोग द्वारा आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करने की प्रेरणा दी जा रही है। बच्चों और परिवारों के लिए भी यह आयोजन संस्कार एवं आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ने का अवसर प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज एवं महाकाली समिति, मेला ग्राउंड बरेला के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

बरेला रामलीला : सीता खोज, अक्षय कुमार वध और लंका दहन का किया अनुपम मंचन



बरेला। स्थानीय रामलीला में सीता खोज, अक्षय कुमार वध एवं लंका दहन की लीलाओं का सजीव मंचन किया गया। लीला में माता सीता की खोज करते हुए वानर दल की भेंट वृद्ध गिद्ध संपाती से हुई, जिसने माता सीता के लंका में होने की जानकारी दी। इसके बाद पवनपुत्र हनुमान समुद्र लांघकर अशोक वाटिका पहुंचे और माता सीता को प्रभु श्रीराम की मुद्रिका देकर उन्हें सांत्वना दी। अशोक वाटिका में फल खाने और वृक्षों को उजाड़ने पर रावण के पुत्र अक्षय कुमार ने हनुमान जी को रोकने का प्रयास किया, लेकिन युद्ध में उसका वध हो गया। इसके बाद मेघनाद हनुमान जी को ब्रह्मपाश में बांधकर रावण की सभा में ले गया। रावण के आदेश पर हनुमान जी की पूंछ में आग लगाई गई, जिसके बाद उन्होंने स्वर्ण लंका में आग लगा दी। लंका दहन के दृश्य के दौरान पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

निधन

श्री मुन्नी लाल सोनी- शास्त्री विहार त्रिमूर्ति नगर निवासी श्री मुन्नी लाल सोनी (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती पार्वती चक्रवर्ती- यादव कॉलोनी निवासी श्री मृत्युंजय चक्रवर्ती की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती चक्रवर्ती (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री विकास चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री शारदा प्रसाद चौधरी के पुत्र श्री विकास चौधरी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शेखर सेठ- नयागांव सोसायटी रामपुर निवासी श्री शेखर सेठ (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लालजी प्रसाद सोनकर- अनवरगंज खेरमाई वार्ड निवासी श्री लालजी प्रसाद सोनकर (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती यशोदा मिश्रा- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री राम सिपाही मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती यशोदा मिश्रा (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री महेश चौधरी- शंकर चौक बड़ी मदार टेकरी निवासी श्री महेश चौधरी (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री यश रजक- इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री कामता प्रसाद रजक के पुत्र श्री यश रजक (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पवन पांडे- घोड़ा नक्कास हनुमानताल निवासी श्री मुन्ना लाल पांडे के पुत्र श्री पवन पांडे (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सतीश चंद्र मिश्रा- मानेगांव रांझी पटेल नगर निवासी श्री सतीश चंद्र मिश्रा (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शिवरजिया चौधरी- बाबा टोला ठक्करग्राम निवासी श्री बुद्धसेन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती शिवरजिया चौधरी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राजू दाहिया- सलैया फाटक बहोरीबंद कटनी निवासी श्री राजू दाहिया (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आशीष कोल- छुई खदान श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री राजू कोल के पुत्र श्री आशीष कोल (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति कलम से.मी.
डिस्प्ले साइज:- 1X1 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
डिस्प्ले साइज:- 1X1 से.मी. रंगीन 400/-
डिस्प्ले साइज 1X3 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508295, 9407362160

गढ़ा रामलीला : गूंजा अंगद का सिंहनाद, रावण दरबार में वीरता की चुनौती को दर्शकों ने किया रोमांचित

जबलपुर। श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर सेतुबंध एवं रामेश्वर पूजन के बाद रावण-अंगद संवाद की रोमांचक लीला का मंचन किया गया। लंका पर चढ़ाई से पूर्व भगवान श्रीराम ने देवाधिदेव महादेव की स्थापना कर पूजन-अर्चन किया तथा समुद्र पर सेतु निर्माण का संकल्प लिया। मुख्य पूजनकर्ता श्रीमती स्मृति भार्गव, अध्यक्ष नयागांव सोसाइटी एवं श्रीमती रेखा खम्परिया रहीं। विशिष्ट अतिथि सतीश पूजा कोष्टा ने भी पूजन किया।

समिति संचालक पं. अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित सहित अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर बुंदेली राष्ट्रकवि राज सागरी एवं अंतरराष्ट्रीय संस्था 'प्रसंग' के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन का शॉल, श्रीफल एवं मोतीमाला से सम्मान किया गया। गढ़ा वार्ड पार्षद मनीष पटेल, मारुति सेल्यूशन के विपुल नेमा, डॉ. रचना शर्मा, सराफा एसोसिएशन अध्यक्ष श्याम सोनी एवं सचिव दीपक सोनी का भी अभिनंदन किया गया। रामेश्वर पूजन के बाद प्रस्तुत रावण-अंगद संवाद में प्रभु श्रीराम के दूत अंगद ने रावण दरबार में लंकापति को ललकारते हुए अपना पैर हिलाने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई योद्धा उनका पैर हिला देगा, तो वे माता सीता को वहीं छोड़कर लौट जाएंगे। रावण दरबार के अनेक योद्धाओं ने प्रयास किया, लेकिन कोई भी अंगद का पैर नहीं हिला सका।

रावण की भूमिका में मुकेश मिश्रा और अंगद की भूमिका में नितिन पटेल के





अभिनय को दर्शकों ने सराहा। रामेश्वर पूजन में निर्देशक राजेश मिश्रा, सह-निर्देशक मोती शिवहरे, मुकेश मिश्रा, नीलेश चौबे, विनायक तिवारी, श्रीमती विद्या केवट, पूजा कोष्टा, नीरज दुबे, गणपत कोष्टा, कैलाश नेमा, अजय तिवारी, विजय नेमा, पंकज अवस्थी एवं राकेश मिश्रा सहित समिति के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूजन की व्यवस्था परंपरानुसार तोड़र सिंह द्वारा की जाती है।

समिति ने बताया कि सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 को लक्ष्मण शक्ति, कुंभकर्ण वध एवं मेघनाद वध की लीलाओं का मंचन होगा। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।



आसुरी शक्तियों के विनाश के लिए शक्ति जागरण जरूरी : स्वामी शिव तेज

जबलपुर। आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा मदन महल स्थित शारदा मंदिर के समीप ज्ञान क्षेत्र में आयोजित तीन दिवसीय नवरात्रि महोत्सव एवं वैदिक यज्ञ का रविवार को समापन हुआ। इस अवसर पर श्री चंडिका होम, महाचंडी होम सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। स्वामी शिव तेज जी ने कहा कि आसुरी शक्तियों के विनाश के लिए आंतरिक शक्ति और चेतना का जागरण आवश्यक है। उन्होंने पद्मा साधना, सुदर्शन क्रिया एवं ध्यान के नियमित अभ्यास पर जोर देते हुए सभी से सेवा कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया। समापन अवसर पर कन्या पूजन, सुहागिन पूजा एवं वृद्ध दंपति पूजा सहित विभिन्न अनुष्ठान किए गए। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में नीरज बरसैयां, वंदना बरसैयां, वैदिक धर्म संस्थान की कोऑर्डिनेटर पद्मश्री मुद्गल, नीलम शर्मा, मनीषा परमार, विकास मालिक, अंकित गर्ग, शरद बड़गैया, मीता परमार एवं अमन जायसवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन में शक्ति उपासना, आध्यात्मिक साधना, आत्मिक जागरण और समाजसेवा का संदेश दिया गया।

गोविंदगंज रामलीला : मेघनाद की ब्रह्मशक्ति से मूर्छित हुए लक्ष्मण, संजीवनी बूटी लाने निकले हनुमान, आज होगा कुंभकर्ण वध



जबलपुर। गोविंदगंज रामलीला में मेघनाद द्वारा लक्ष्मण पर ब्रह्मशक्ति चलाने और उनके मूर्छित होने की मार्मिक लीला का सजीव मंचन किया गया। युद्ध के दौरान मेघनाद बने पवन तिवारी ने अग्नि बरसाते बाणों से राम सेना में खलबली मचा दी। ब्रह्मशक्ति लगने से लक्ष्मण के मूर्छित होते ही प्रभु श्रीराम भावुक हो उठे। उनके विलाप ने दर्शकों को भी भावविभोर कर दिया। इसके बाद संजीवनी बूटी लेने निकले हनुमान बने पलाश पाठक के सूर्यदेव से संवाद ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। अयोध्या में भरत के बाण से हनुमान के घायल होने का प्रसंग भी प्रस्तुत किया गया। लीला में श्रीराम की भूमिका ओम दुबे, लक्ष्मण की मानव पांडे, भरत की कार्तिक दुबे, मेघनाद की पवन तिवारी, रावण की पवन पांडे तथा कालनेमि की भूमिका राजकुमार गुप्ता ने निभाई। सभी कलाकारों का अभिनय सराहनीय रहा। रामलीला समिति के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि आज रात 9 बजे से कुंभकर्ण एवं मेघनाद वध की लीला का मंचन होगा। इसमें कुंभकर्ण द्वारा परंपरानुसार सैकड़ों मटके तोड़ने और युद्ध में तलवार कौशल दिखाने का विशेष दृश्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर रामलीला का आनंद लेने की अपील की है।



जागरूक समाज समिति का प्रथम गरबा उत्सव उत्साह के साथ संपन्न

जबलपुर। जागरूक समाज समिति डोम डुमार सुदर्शन द्वारा बेलबाग स्थित पुत्री शाला में 16 अक्टूबर से आयोजित दो दिवसीय प्रथम गरबा उत्सव उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में महिलाओं एवं समिति सदस्यों ने पारंपरिक गरबा नृत्य और संगीत का आनंद लिया। उत्सव का उद्देश्य सामाजिक एकता, आपसी सौहार्द एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के आयोजक एडवोकेट विनोद डांगे रहे। इस अवसर पर प्रभारी शशिकांत बढ़ेल, सह-प्रभारी विकास अर्खेल एवं संजय ब्राम्हानिया सहित पवन राना, भरत बैरिया, धीरू संग्राम, मृगेंद्र आत्मा, किशोर दिवान, नरेश मलिक, विजय विहोनिया, सतीश समन, विजय मलिक, अनूप चौहटेल एवं अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। समिति का यह आयोजन सामाजिक मेल-मिलाप एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में सराहनीय पहल रहा।

प्रभु द्वारा नवधा भक्ति का वरदान देना भावपूर्ण ढंग से किया प्रस्तुत

धनुष यज्ञ रामलीला में शबरी मिलन और बालि वध का हुआ सजीव मंचन

जबलपुर। सदर की प्राचीन धनुष यज्ञ रामलीला समिति द्वारा शबरी मिलन एवं बालि वध की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। समिति के डॉ. शंकर पांडे ने बताया कि रामलीला समिति का इतिहास वर्ष 1854 में खानदारी जलाशय के निर्माण से जुड़ा है। समिति के प्रमुख स्तंभ स्व. ईश्वरी प्रसाद तिवारी एवं बसंत बाजपेई रहे। उन्होंने बताया कि समिति के सदस्यों ने स्वतंत्रता आंदोलन में भी भूमिका निभाई थी। लीला में माता सीता की खोज करते हुए भगवान राम का शबरी की कुटिया पहुंचना, शबरी द्वारा प्रेमपूर्वक जूठे बेर अर्पित करना तथा प्रभु द्वारा नवधा भक्ति का वरदान देना भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके बाद हनुमान जी के



माध्यम से भगवान राम की सुग्रीव से मित्रता और बालि वध का सजीव मंचन हुआ। बालि ने अपने पुत्र अंगद को प्रभु श्रीराम की शरण में सौंपा। लीला के अंत में माता सीता को लंका की अशोक वाटिका में त्रिजटा के साथ दिखाया गया। शबरी की भूमिका में ओमप्रकाश पाठक सहित मोहित अग्निहोत्री, शारदा ठाकुर एवं अन्य कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय किया। आरती में हरप्रीत सिंह सैनी, अमित सोनकर, अभिषेक उपाध्याय, रजनीकांत अवस्थी, पंकज राजक, रोहित उपाध्याय, आर्यन कनौजिया, सात्विक तिवारी, आकाश नायडू, आशीष पाठक एवं सतीश सहित श्रद्धालु शामिल हुए।

समिति के अभिषेक चौकसे, मधुर तिवारी, सीताराम कुरचानिया, धनंजय बाजपेई, संतोष तिवारी, प्रवण अवस्थी, कन्हैया तिवारी, दिलीप रजक, राहुल रजक एवं प्रकाश सोनी ने श्रद्धालुओं से आगामी लीला में शामिल होने की अपील की। अगले दिन लंका दहन, रामसेतु निर्माण तथा अंगद-रावण संवाद की लीला का मंचन किया जाएगा।



साईं मेधा महिला मंडल ने कराया संस्कारधानी गरबा-डांडिया महोत्सव

जबलपुर। श्री साईं मेधा जन कल्याण महिला मंडल द्वारा शनिवार, 17 अक्टूबर को धमापुर स्थित पेट्रोल पंप के सामने संत रविदास सामुदायिक भवन में संस्कारधानी गरबा-डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। शाम 5 से रात 11 बजे तक चले आयोजन में महिलाओं एवं प्रतिभागियों ने पारंपरिक गरबा और डांडिया नृत्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना रहा। महिला मंडल द्वारा सामाजिक सरोकारों के तहत निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण भी दिया जाता है। संस्था की ओर से जनवरी से मार्च तक सिलाई कोर्स संचालित किए जाने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की आयोजक एवं संचालक कुमारी रीना पछेल, रुबीना मैडम, अनीता बिरहा एवं सुधा दीदी रहीं।

गरबा महोत्सव में दिखी संस्कृति की छटा

मां भगवती की भक्ति में झूमे यश स्कूल के नन्हे सितारे

जबलपुर। यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल की अधारताल एवं गोहलपुर शाखाओं में गरबा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने मनमोहक गरबा नृत्य प्रस्तुत कर मां जगत जननी भगवती की आराधना की। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था संचालक डॉ. विजयकांत तिवारी, श्रीमती सोनल तिवारी एवं गोहलपुर शाखा की प्राचार्य श्रीमती वर्षा झारिया ने विधि-विधान से मां भगवती के पूजन के साथ किया। इसके बाद दशहरा परंपरा के अनुरूप रावण दहन किया गया तथा गरबा रास का आयोजन हुआ। बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण हो उठा। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं, संस्कारों और नैतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम की सफलता में दोनों शाखाओं के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।





श्री शारदा नवयुवक मंडल गोरखपुर में किया गया महाआरती एवं भंडारे का आयोजन

जबलपुर। शारदेय नवरात्र के पावन पर्व पर श्री शारदा नवयुवक मंडल, गोरखपुर में मां जगत जननी की विशाल प्रतिमा की स्थापना के साथ समिति ने अपने 71वें वर्ष में प्रवेश किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अमन लोधी, राष्ट्रीय वाटर पोलो खिलाड़ी एवं खेलो इंडिया रेफरी, तथा पदाधिकारियों और सदस्यों ने मां की महाआरती की। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। समिति के वरिष्ठ सदस्य सुनील कुमार पटेल ने बताया कि प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी धार्मिक आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुनील कुमार पटेल, उमेश पटेल, विजय गौर, संजय पटेल, उमाशंकर, बबलू सोनकर, अश्विनी पटेल गोलू, नीरज परमार, शिवा सेन, सार्थक पटेल, सिद्धांत पटेल, विशाल सेन, नवराज सिंह, निखिल अम्बानी, आशु श्रीवास, विवेक गुप्ता एवं आदित्य लोधी सहित समिति के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महाआरती के बाद मंडल के वरिष्ठ सदस्य अरुण वर्मा का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया।

शक्तिनगर में माता महाकाली के दरबार में गरबा की धूम

जबलपुर। शक्तिनगर स्थित 90 क्वार्टर मैदान में नवशक्ति दुर्गा उत्सव समिति द्वारा विराजमान माता महाकाली की आरती के बाद शाम 7:30 बजे गरबा महोत्सव आयोजित किया गया। नवरात्र के नौ दिनों तक समिति द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समिति अध्यक्ष अंकित श्रीवास्तव, संदीप शर्मा, प्रशांत सिजारिया, सीताराम पांडे एवं हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि 19 अक्टूबर को हवन तथा 20 अक्टूबर को रावण दहन के बाद भंडारा एवं प्रसाद वितरण होगा। मुख्य पुजारी पं. ज्ञानेन्द्र पाठक एवं पं. चिराग पाण्डेय के अनुसार, 21 अक्टूबर को शाम 5 बजे 90 क्वार्टर मैदान से विसर्जन चल समारोह सैनिक सोसायटी गेट, कृपाल चौक, दशमेश द्वार एवं महानद्दा गोरखपुर होते हुए गौरीघाट के लिए रवाना होगा। गरबा



आयोजन में कल्पना महाजन, रानी रामटेके, प्रीति श्रीवास्तव, काजल तिवारी, नीता सिजारिया, स्वाति चौरसिया एवं सोनू राजपूत की प्रमुख भूमिका रही। इनके साथ प्रीति तिवारी, कंचन कोरी, मेघना दीवान, रुचि मिश्रा, रितु कोरी, दीप्ति पांडेय, नीलम कोरी, श्यामा सूर्यवंशी, सपना मल्हार, सरोज प्रधान, मनीषा केसरवानी, प्रमिला गुप्ता, मेघा चौहान, प्रेमलता गाठे, रुचिका महाजन श्रद्धालुओं से कार्यक्रमों में सहभागिता कर माता महाकाली का आशीर्वाद लेने की अपील की।



नारायणा ई-टेक्नो स्कूल में गरबा महोत्सव

जबलपुर। रिमझा स्थित नारायणा ई-टेक्नो स्कूल में गरबा महोत्सव का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मां दुर्गा की आराधना करते हुए गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां भगवती की महाआरती से हुआ। इस अवसर पर जबलपुर किक बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव रामकिशोर सोनी, एजीएम अनिल भंडारी तथा आरिक डांस स्टूडियो के सौरभ आरिक एवं श्रीमती मनीषा बजाज विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती जयंती अय्यर ने अतिथियों का स्वागत किया। सभी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। प्रधानाचार्या ने कहा कि गरबा भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर है, जो बच्चों को अपनी परंपराओं से जोड़ने के साथ साधना एवं अनुशासन की सीख देता है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं लोकनृत्यों से जोड़ना रहा।



मध्यप्रदेश भारत स्काउट्स एवं गाइड्स को मिला 'मैसेंजर ऑफ पीस अवार्ड'

जबलपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश को स्काउटिंग गतिविधियों एवं शांति स्थापना के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रतिष्ठित 'मैसेंजर ऑफ पीस अवार्ड' से सम्मानित किया गया। प्रदेश की ओर से राज्य मुख्य आयुक्त अशोक अर्गल, राज्य सचिव धीरेन्द्र कुमार मिश्रा एवं राज्य संगठन आयुक्त गजराज सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस उपलब्धि में राज्य समन्वयक स्काउट, मैसेंजर ऑफ पीस ललित कुमार मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सम्मान पर जिला मुख्य आयुक्त, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला संघ जबलपुर के डॉ. विजयकांत तिवारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के समस्त स्काउटिंग परिवार के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान शांति, सद्भाव, भाईचारे, सेवा एवं अनुशासन के प्रति स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स के समर्पण का प्रतीक है। इस उपलब्धि से प्रदेश के स्काउटिंग परिवार में हर्ष का माहौल है।



इमलिया में धनेश शुक्ला के घर खिला मनमोहक ब्रह्म कमल

जबलपुर। प्रकृति के अद्भुत सौंदर्य और धार्मिक आस्था का प्रतीक माने जाने वाले ब्रह्म कमल के खिलने से इमलिया निवासी धनेश शुक्ला का घर आकर्षण का केंद्र बन गया है। सफेद पंखुड़ियों और मनमोहक स्वरूप वाले इस पुष्प को देखकर लोग अभिभूत हैं। हिंदू धर्म में ब्रह्म कमल को पवित्र एवं शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसका संबंध भगवान ब्रह्मा से है। अपनी आकर्षक बनावट और विशेष महत्त्व के कारण इस पुष्प ने प्रकृति प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया है।

पमरे की आय में वृद्धि

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेल ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के सितंबर माह में संड्री (विविध) आय एवं अन्य कोचिंग से कुल 35 करोड़ 17 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया। रेलवे के अनुसार, सितंबर 2025 की तुलना में संड्री आय में 29.35 प्रतिशत तथा अन्य कोचिंग आय में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, जारी आंकड़ों के अनुसार अन्य कोचिंग आय में वृद्धि 16.26 प्रतिशत रही। अप्रैल से सितंबर 2026 तक पश्चिम मध्य रेल ने संड्री आय से 155 करोड़ 88 लाख रुपये तथा अन्य कोचिंग से 99 करोड़ 24 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में संड्री आय में 22.21 प्रतिशत और अन्य कोचिंग आय में 10.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रेलवे के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों में राजस्व बढ़ाने के लिए कैटरिंग, पार्किंग, वन स्टेशन वन प्रोडक्ट, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, वाणिज्यिक विज्ञापन, मल्टीपरपज स्टॉल एवं ट्रेनों में विनाइल रैपिंग जैसे अनुबंधों को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही गैर-किराया राजस्व बढ़ाने के लिए नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। पश्चिम मध्य रेल प्रशासन के अनुसार, भविष्य में भी राजस्व वृद्धि के प्रयास जारी रहेंगे।

नाम परिवर्तन एवं जन्मतिथि सूचना

I, LAKSHMIPRIYASAHU is legally Mother of ARMY NO- 15737961X, Rank SIGMN, Name PRADYUMNA KUMAR SAHOO presently residing at Vill- BADARAMPAS, POST-BADARAMPAS, P.S- NANDIPADA, Distt - KEONJHAR, शपथपूर्वक निलि कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम एंव जन्मतिथि SABITRI SAHOO & 01-06-1970 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम एंव जन्मतिथि LAKSHMIPRIYA SAHU/ 19-04-1969 दर्ज है। जो कि सही है मेरे नाम एंव जन्मतिथि को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए । द्वारा शपथ पत्र न.79AA 497223 दिनांक 14-10-26 नोटरी जबलपुर म प्र ।

गलत नाम एवं जन्मतिथि
SABITRI SAHOO / 01-06-1970
सही नाम एंव जन्मतिथि
LAKSHMIPRIYA SAHU/19-04-1969



प्रियदर्शन की 99वीं फिल्म में बाघ शिकारी बनेंगे अक्षय

नई दिल्ली। अक्षय कुमार एक नए कॉमेडी प्रोजेक्ट के लिए अनुभवी फिल्म निर्माता प्रियदर्शन के साथ काम करने जा रहे हैं। यह निर्देशक की 99वीं फीचर फिल्म होगी। रमेश तौरानी द्वारा निर्मित इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में वे 1970 के दशक की पृष्ठभूमि में एक अनोखे बाघ शिकारी का किरदार निभाएंगे। प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने वाली है। रिपोर्ट में बताया गया है कि तीन महीने तक चलने वाली शूटिंग राजस्थान के वन्यजीव इलाकों और मुंबई के एक सेट पर होगी। इसके अलावा, प्रोडक्शन टीम भोपाल में भी शूटिंग के लिए लोकेशन तलाश रही है। फिल्म की कास्ट में एक्टर अन्नू कपूर और राजपाल यादव शामिल हैं।

लाइफ Style

सारा

ऑफ शोल्डर लहंगे में बनीं मलिका

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

'धुरंधर' में अपने अभिनय से सबको इंप्रेस करने वाली सारा अर्जुन अब अपनी रैंप वॉक से भी फैंस का दिल जीत रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने लैक्मे फैशन वीक में अपना रनवे डेब्यू किया और अपने अंदाज के लिए फिर तारीफें हासिल कर रही हैं।

'धुरंधर' स्टार सारा अर्जुन पिछले दिनों इस ब्लॉकबस्टर पिल्म को लेकर चर्चा में रहीं, जिसमें उन्होंने एक बार फिर अपनी एक्टिंग स्किल्स साबित कर दीं। बड़े पर्दे पर धूम मचाने के बाद सारा अर्जुन रैंप को भी अपने नाम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने शुक्रवार को लैक्मे फैशन वीक एक्स एफडीसीआई में अपना रनवे डेब्यू किया और अपनी पहली ही रैंप वॉक से अब हर तरफ छाई हैं। सारा अर्जुन लैक्मे फैशन वीक में 'लैक्मे सैलून x अनुश्री रेड्डी' कोलैबोरेशन के लिए शोस्टॉपर बनीं और रैंप पर उतरते ही सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। उनकी वॉक में कॉन्फिडेंस साफ नजर आ रहा था। सारा अर्जुन ने नई दिल्ली के ताज पैलेस में रनवे पर वॉक किया। इस दौरान उन्होंने डिजाइनर के फॉल ब्राइडल कलेक्शन 'माया' का पाउडर-ब्लू ब्राइडल गाउन पहना हुआ था। बारीक सफेद कढ़ाई, स्कल्पटेड पेपलम और मरमेड हेम वाले लहंगे में सारा रैंप पर उतरीं, जो ब्राइडल फैशन की एक ऐसी झलक पेश कर रहा था जो किसी रोमांटिक फेयरी टेल से प्रेरित लग रहा था। सारा अर्जुन ने अपने रनवे डेब्यू को लेकर खुशी जाहिर की और कहा कि उनका डेब्यू ठीक वैसा ही था जैसा उन्होंने सोचा था।



हॉलीवुड मसाला



एक दिन पहले रिलीज होगी

एवेंजर्सः डूम्सडे

नई दिल्ली। 'एवेंजर्स": डूम्सडे' अमेरिका समेत कई देशों में 18 दिसंबर को रिलीज हो रही है। पर भारत में इसके लिए मेकर्स ने अलग ही प्लानिंग की है। एक रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत में 'एवेंजर्स": डूम्सडे' ग्लोबल रिलीज से एक दिन पहले ही रिलीज कर दी जाएगी. यानी भारतीय दर्शक 'एवेंजर्स": डूम्सडे' को 17 दिसंबर से ही सिनेमाघरों में देख केंगे।'एवेंजर्स": डूम्सडे'भारतीय सिनेमाघरों में गुरुवार, 17 दिसंबर को रिलीज होगी. इससे फिल्म को चार दिनों का वीकेंड मिलेगा।



लाइव कॉन्सर्ट के स्टेज से गिरी सिंगर

नई दिल्ली। लाइव कॉन्सर्ट के दौरान कभी कभी कुछ ऐसे हादसे हो जाते हैं जो कि कलाकारों के लिए बहुत ही चैलेंजिंग हो जाते हैं। चीनी सिंगर सिंगर जॉन झांग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग उनकी विल पावर और डेडिकेशन की खूब तारीफ कर रहे हैं, क्योंकि अगर आम सिचुएशन कोई सात फुट की ऊंचाई से गिरे तो नॉर्मल होने में कम से कम 15 से 20 मिनट तो लेगा ही लेकिन जॉन महज 20 सेकेंड के अंदर अपने पैरों पर खड़ी थीं और स्टेज पर थीं। वीडियो में आप देखेंगे कि जॉन गा रही थीं कि अचानक उनका बैलेंस बिगड़ा और वह नीचे गिर गईं। उनके गिरते ही पूरी टीम उन्हें सम्भालने के लिए पहुंची। जॉन की हिम्मत देखिए कि गिरने के बाद भी उनके चेहरे पर कोई शिकन नहीं थी। उनकी टीम ने उन्हें सम्भाला, देखा कि वह ठीक हैं या नहीं।



नवरात्रि पर्व के रंग में रंगीं शिल्पा

नई दिल्ली। पूरा देश नवरात्रि के जश्न में डूबी हुआ है। सोशल मीडिया पर गरबा डांस, रंग-बिरंगे पारंपरिक कपड़े और वायरल डांस ट्रेंड खूब छाए हुए हैं। लोग एक साथ मिलकर त्योहार मना रहे हैं, जिसकी खूबसूरत झलकियां देखने को मिल रही हैं। इसके अलावा, इंटरनेट पर त्योहार की खुशी दिखाने वाली कई क्रिएटिव रील्स भी वायरल हो रही हैं। वहीं एक ट्रेंड लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है, जिसमें मशहूर गुजराती गरबा गाने की धुन पर कपड़े बदलते हुए मजेदार ट्रांजिशन दिखाए जा रहे हैं। इसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी भी शामिल हो गई हैं, जो ट्रेंड को फॉलो करने में हमेशा आगे रहती हैं। इस ट्रेंड में लोग एक ही गरबा स्टेप को दो बार करते हैं। पहले अपने रोजमर्रा के कपड़ों में और फिर म्यूजिक की बीट बदलते ही वे शानदार ट्रेडिशनल आउटफिट में नजर आते हैं।

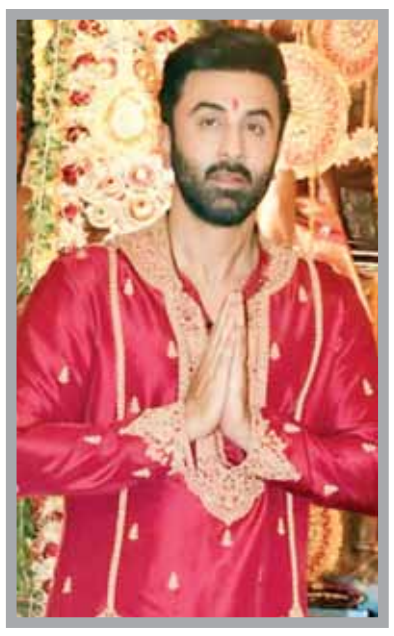

दुर्गा पूजा पंडाल में नजर आए रणबीर...

मुंबई। रणबीर कपूर इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। जल्द ही यह फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस बीच अभिनेता नवरात्रि के दौरान मुंबई के 'नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनीन दुर्गा पूजा' पंडाल पहुंचे। वहां उनकी मुलाकात अपने फिल्ममेकर दोस्त अयान मुखर्जी से हुई। यहां सबसे खास पल वह था जब रणबीर, हर्षदीप कौर के साथ मंच पर आए और अपनी 2013 की हिट फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' का गाना 'कबीरा' गाया। पूजा पंडाल में रणबीर कपूर लाल और सुनहरे रंग के कुर्ते और सफेद पजामे में नजर आए। अभिनेता को देवी दुर्गा का आशीर्वाद लेते देखा गया। इसके बाद उन्होंने हाथ जोड़कर कुछ तस्वीरें खिंचवाईं। साथ ही उन्हें पूजा स्थल पर अयान और अन्य मेहमानों का अभिवादन करते हुए भी देखा गया।

टीवी मसाला



शादी के लिए सालभर विजय के पीछे पड़ी थीं रश्मिका

नई दिल्ली। 'कॉफी विद करण' के दूसरे एपिसोड में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मेहमान बन कर पहुंचने वाले हैं। शो के हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो में कपल ने निजी जिंदगी से जुड़े कई खुलासे किये। उन्होंने बताया कि दोनों में से शादी के लिए कौन किसके पीछे पहले पड़ा था। 'कॉफी विद करण' के नवीन सीजन के दूसरे एपिसोड में फैंस के दिलों पर राज करने वाला कपल गेस्ट के रूप में पहुंचा। रश्मिका और विजय से करण ने पूछा कि शादी के लिए किसने पहल की। इस पर विजय ने हंसते हुए कहा कि रश्मिका ने उनसे पूछा कि चलो शादी करते हैं। एक्ट्रेस ने 100 बार उनसे यह सवाल किया था। इस पर रश्मिका ने कहा वह लगभग एक साल तक शादी के लिए विजय के पीछे रहीं। वहीं, जब रश्मिका से पूछा गया कि उन्हें किसके साथ काम करके ज्यादा मजा आया? अल्लू अर्जुन या रणबीर कपूर.. तो अभिनेत्री ने साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का नाम लिया। वहीं, जब करण ने विजय से पूछा कि रश्मिका के अलावा आपकी जोड़ी किस अभिनेत्री के साथ अच्छी लगती है? तो रश्मिका ने जवाब दिया- कोई नहीं। इस पर विजय बोले- शादी का पहला नियम है कि अपनी पत्नी से सहमत रहें। बता दें कि यह एपिसोड इस बुधवार को प्रसारित होगा। मशहूर साउथ स्टार्स विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी 2026 को शादी के बंधन में बंधे। दोनों का यह बेहद निजी विवाह समारोह राजस्थान के उदयपुर में में संपन्न हुआ। इस शादी में सुबह तेलुगु रीतिरिवाज से फेरे हुए, वहीं शाम को रश्मिका के गृहनगर की कोडवा परंपरा निभाई गई।

रामलीला में शिल्पा बनीं माता सीता

नई दिल्ली। शिल्पा शिंदे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है। इस वीडियो में शिल्पा शिंदे माता सीता के किरदार में मंच पर डायलॉग बोलती नजर आ रही हैं। शिल्पा इस सीन में वनवास वाला सीन करती नजर आ रही हैं। भगवा साड़ी में शिल्पा इस किरदार में बेहद इम्प्रेसिव लग रही हैं। इस सीन में आप देखेंगे कि मां सीता यानी कि शिल्पा शिंदे लक्ष्मण से कह रही हैं कि वे जंगल में जाकर श्रीराम को ढूंढकर लाएं लेकिन लक्ष्मण जो भाभी की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं वह जाने से इंकार कर देते हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर जानकारी दी गई है कि यह दिल्ली, नॉर्थ वेस्ट शालीमार बाद वाली रामलीला है। यह रामलीला काफी ऐतिहासिक मानी जाती है और इसके आयोजन काफी बड़े स्तर पर किया जाता है। टीवी स्टार्स कई बार इस रामलीला का हिस्सा बनते नजर आते हैं। काम के मोर्चे पर अगर बात करें तो हाल में शिल्पा शिंदे ओटीटी पर आए रियलिटी शो 'लॉकअप 2' में नजर आई थीं।



स्पिरिट की नई रिलीज डेट जारी रामायण 2 से टकराएगी

नई दिल्ली। प्रभास स्टारर 'स्पिरिट' लंबे समय से सुर्खियों में बनी हुई है। खासतौर पर दीपिका पादुकोण संग निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के विवाद के बाद इस फिल्म की काफी चर्चा में है। पहले इस फिल्म में प्रभास के साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं, लेकिन कुछ विवादों के बाद अभिनेत्री इस प्रोजेक्ट से अलग हो गईं और फिल्म में उनकी जगह तृप्ति डिमरी ने ले ली। इस साल की शुरुआत में एक पोस्ट साझा करते हुए मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया था, जिसके अनुसार फिल्म 27 मार्च 2027 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कुछ वजहों से इसकी रिलीज पोस्टपोन कर दी गई और अब मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है, जिसके अनुसार फिल्म 2027 में रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण पार्ट 2' से बॉक्स ऑफिस पर टक्कर लेगी। रविवार, 18 अक्टूबर को संदीप रेड्डी वांगा ने प्रभास स्टारर 'स्पिरिट' के लिए एक नई रिलीज डेट की घोषणा की और फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया। नए पोस्टर में सिर पर हैट पहने प्रभास नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने 'स्पिरिट' की रिलीज डेट 29 अक्टूबर 2027 तय की है, यानी फिल्म दिवाली के मौके पर दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसी दौरान रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण पार्ट 2' भी रिलीज होने वाली है। यानी बड़े पर्दे पर अब प्रभास / रणबीर कपूर देखने को मिल सकता है। इससे पहले यह फिल्म 5 मार्च 2027 को रिलीज होने वाली थी। 'एनिमल' के डायरेक्टर ने रविवार को फैंस को एक हिंट दिया। उन्होंने बताया कि वे 'स्पिरिट' फिल्म से प्रभास का एक नया लुक और फिल्म की नई रिलीज डेट सामने लाने वाले हैं और उन्होंने ऐसा ही किया।





रेड कार्पेट पर कोचर गाउन से जीता का दिल

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने थोड़ा वक्त निकाल कर 'एनुअल एकेडमी म्यूजियम गाला' में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। रेड कार्पेट पर उन्होंने एक बेहतरीन कॉउचर गाउन पहना था, जिसमें उनका अंदाज बेहद ग्लैमरस और आकर्षक लग रहा था। जहां इस शाम कई बड़े सितारे शानदार परिधानों में नजर आए, वहीं प्रियंका का लुक सबसे अलग था। अभिनेत्री ने शैंपेन-गोल्ड रंग का साटन गाउन पहना था, जिसमें एक खास ऑफ-शोल्डर नेकलाइन थी। यह उनके कॉलरबोन को बहुत खूबसूरती से उभार रही थी। गाउन का मुलायम कपड़ा उनके शरीर पर बहुत ही नजाकत से लिपटा हुआ था। यह उनके फिगर को एक बेहतरीन आकार दे रहा था। गाउन नीचे की तरफ फर्श तक लंबा था और पीछे की ओर एक हल्की 'ट्रेल' भी थी। नेकलाइन पर लगे नाजुक सुनहरे काम और चेन जैसी डिटेलिंग ने गाउन की चमक को और निखार दिया। प्रियंका ने अपने लुक को पूरा करने के लिए गले से सटा हुआ एक चमकदार डायमंड नेकलेस पहना, जो इस सुनहरे रंग के साथ बहुत जंच रहा था। इसके साथ उन्होंने एक शानदार घड़ी और कुछ साधारण अंगूठियां पहनी थीं, ताकि पूरा ध्यान उनके गाउन के अनोखे डिजाइन पर ही रहे। मेकअप और स्टाइल की बात करें तो, प्रियंका ने एक ग्लैमरस और सधा हुआ लुक चुना। उनकी आंखों को हल्का और सुंदर रूप दिया गया था, होंठों पर न्यूड शेड की लिपस्टिक थी और उनका चेहरा एकदम दमक रहा था। उनके गहरे रंग के बाल खुले थे और एक तरफ से पार्ट किए गए थे, जो उनके कंधों पर गिरते हुए गाउन की खूबसूरत नेकलाइन के साथ बहुत अच्छे लग रहे थे। काम की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसे बड़े पैमाने पर बनाया जा रहा है। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।



गरबा स्पेशल गानेः 'नगाड़ा संग ढोल' से 'कमरिया' तक

नवरात्रि की असली रौनक हैं बॉलीवुड के ये सुपरहिट गाने

नई दिल्ली। नवरात्रि का त्योहार लगभग खत्म होने को है। हालांकि, इसके बावजूद भी देशभर में हर तरफ गरबा और डांडिया की धूम देखने को मिल रही है। लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर, ढोल की थाप और बेहतरीन गानों के साथ इस त्योहार का जश्न मना रहे हैं। कोई खास त्योहार हो और उसमें बॉलीवुड के गाने न बजे ऐसा तो हो ही नहीं सकता। हिंदी सिनेमा ने हर मौके के लिए लोगों को शानदार गाने दिए हैं। अब आप गरबा को लेकर ही देख लीजिए। बॉलीवुड की अलग-अलग फिल्मों में ऐसे कई गाने हैं, जिनको गरबा नाइट पर बजाकर थिरका जा सकता है।

ढोली तारो ढोल बाजे

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का गाना 'ढोली तारो ढोल बाजे' बॉलीवुड के सबसे फेमस गरबा गीतों में गिना जाता है। ऐश्वर्या राय बच्चन और सलमान खान पर फिल्माए गए इस गाने में पारंपरिक गुजराती संगीत, ढोल की दमदार थाप और भव्य डांस का ऐसा मेल देखने को मिलता है, जो दर्शकों को सीधे गरबा के माहौल में पहुंचा देता है। इस गाने की खासियत सिर्फ इसकी तेज लय नहीं, बल्कि इसकी प्रस्तुति भी है। ट्रेडिशनल ड्रेस, ग्रुप डांस और एनर्जी इसे नवरात्रि के लिए खास बनाते हैं। यही वजह है कि रिलीज के वर्षों बाद भी यह गाना गरबा और डांडिया आयोजनों में खूब सुनाई देता है।

घणी कूल छोरी

फिल्म 'रश्मि रॉकेट' का गाना 'घणी कूल छोरी' तापसी पन्नू पर फिल्माया गया है। इस गाने में पारंपरिक गुजराती रंग के साथ मॉडर्न म्यूजिक का भी अच्छा मेल देखने को मिलता है। इसकी धुन और बीट्स काफी जोशीली हैं, जो लोगों को डांस करने के लिए उत्साहित करती हैं। नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया की प्लेलिस्ट में यह गाना एक अच्छा विकल्प है। पारंपरिक अंदाज और नए जमाने के संगीत का मेल इसे बाकी गानों से थोड़ा अलग बनाता है।



चोगाड़ा : फिल्म 'लवयात्री' का गाना 'चोगाड़ा' गरबा के सबसे पसंदीदा गानों में से एक है। आयुष शर्मा और वरीना हुसैन पर फिल्माया गया यह गाना अपनी धुन और बीट्स के लिए काफी मशहूर है। इसकी खास बात यह है कि इस पर गरबा करना आसान है और नए लोग भी इसके स्टेप्स जल्दी सीख सकते हैं। यही वजह है कि नवरात्रि में कॉलेज से लेकर सोसायटी और बड़े गरबा पंडालों तक, यह गाना खूब बजता है।

शुभारंभ

फिल्म 'काई पो चे!' का गाना 'शुभारंभ' नवरात्रि और त्योहारों के माहौल के लिए काफी पसंद किया जाता है। इसके नाम का मतलब ही है किसी अच्छे काम की शुरुआत। गाने की धुन में गुजराती संगीत का रंग है, जो इसे खास बनाता है। नवरात्रि में यह गाना बजते ही लोगों का उत्साह बढ़ जाता है। इसकी खास बात यह है कि यह सिर्फ डांस करने के लिए ही नहीं, बल्कि त्योहार की खुशी और अपनों के साथ जश्न मनाने का एहसास भी कराता है।

कमरिया

फिल्म 'मित्रों' का 'कमरिया' भी नवरात्रि की कई प्लेलिस्ट में अपनी जगह बना चुका है। जैकी भगनानी और कृतिका कामरा पर फिल्माया गया यह गाना अपनी चुलबुली धुन और जोशीली प्रस्तुति के लिए जाना जाता है। इस गाने में गरबा के पारंपरिक संगीत के साथ नए जमाने के म्यूजिक का भी मेल है। यह पूरी तरह पारंपरिक गरबा गीत नहीं है, लेकिन इसकी धुन और तेज बीट्स लोगों को नाचने पर मजबूर कर देती हैं। यही वजह है कि नवरात्रि की गरबा नाइट में भी यह गाना खूब पसंद किया जाता है।

उड़ी उड़ी जाए : फिल्म 'रईस' का 'उड़ी उड़ी जाए' एक ऐसा गाना है, जो रोमांस और गुजराती उत्सव के रंगों को खूबसूरती से जोड़ता है। शाहरुख खान और माहिरा खान पर फिल्माया गया यह गाना अपनी मधुर धुन और पारंपरिक माहौल के कारण फेमस हुआ। इस गाने की धुन काफी मधुर है, जिस पर लोग आसानी से गरबा कर सकते हैं। तेज बीट्स वाले गानों के बीच यह गीत माहौल में मिठास और रंग भर देता है। यही वजह है कि नवरात्रि के दौरान लोग इसे सुनना और इस पर डांस करना पसंद करते हैं।

ढोलिडा : फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी का गाना 'ढोलिडा' आजकल के मशहूर गरबा गानों में से एक है। आलिया भट्ट ने इस गाने में शानदार डांस किया है, जो लोगों को काफी पसंद आया। ढोल की तेज थाप और गरबा के पारंपरिक स्टेप्स इस गाने को खास बनाते हैं। नवरात्रि में इस गाने पर गरबा करने का अपना ही मजा है। इसकी धुन सुनते ही लोग झूमने लगते हैं और पूरा माहौल उत्साह से भर जाता है।